नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997] क्रमांक के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

स्वयं से करें स्वच्छता की शुरुआत- प्रो.चंद्रकांत रागीट

हिंदी विश्वविद्यालय स्वच्छता जागरूकता कार्यशाला

हिंदी विवि एवं पर्यटन मंत्रालय का संयुक्त आयोजन

वर्धा, दि. 23 जनवरी 2020 : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय और भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंध संस्थान, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार ग्वालियर के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार, 22 जनवरी को स्वच्छता जागरूकता कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति प्रो.

चंद्रकांत रागीट ने कहा कि हमें स्वच्छता को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए और स्वच्छता के प्रति अन्य लोगों को जागरूक करना चाहिए। स्वयं के आसपास और सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता रखने से सामाजिक स्वास्थ्य ठीक रहेगा और देश को स्वच्छ बनाने का सपना पूरा होगा। डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी भवन के कस्तूरबा सभागार में आयोजित कार्यशाला में भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंध संस्थान, ग्वालियर की स्वच्छता एक्शन प्लान की समन्वयक डॉ.कामाक्षी माहेश्वरी, प्रोजेक्ट

एसोसिएट अमित वासवानी, सहायक केयर टेकर दिब्या कुजुर, विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी बी.एस. मिरगे, जनसंचार विभाग के सहायक प्रोफेसर डा. अख्तर आलम उपस्थित थे। विश्वविद्यालय में 16 से 31 तक स्वच्छता पखवाड़ा चल रहा है इसके अंतर्गत इस कार्यशाला का आयोजन किया गया था जिसमें विद्यार्थियों को स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूक करना एवं पर्यटक गंतव्यों के आसपास स्वच्छता और राष्ट्रीय तथा सांस्कृतिक महत्व के स्मारकों की सुंदरता बनाए रखने को लेकर चर्चा की

गयी। डॉ. अख्तर आलम ने स्वच्छता का महत्व विषय पर अपनी बात रखी। प्रारंभ में पर्यटन मंत्रालय द्वारा स्वच्छता पर बनायी डाक्यूमेंट्री दिखाई गयी। इस अवसर पर छात्रों द्वारा नुक्कड नाटक प्रस्तुत कर स्वच्छता का महत्व बताया। उपस्थितों को स्वच्छता की शपथ भी दिलायी गयी। कार्यशाला में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान क्रमशः सुधा वर्मा, प्रीति राणा और पूजा कुमारी शाह को प्राप्त हुआ। विजेताओं को प्रो. रागीट के हाथों स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन बी एस मिरगे ने किया तथा आभार डा. अनवर अहमद सिद्दीकी ने माना। कार्यशाला में अध्यापक डॉ राजीव रंजन राय, डॉ.हरप्रीत कौर डॉ. रामार्चा पाण्डेय,

ऋषभ मिश्र, डॉ. मुन्नालाल गुप्ता, गजानन निलामे, नरेंद्र दिवाकर, उमेश कुमार, श्रीनिकेतन मिश्र, समेत विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यशाला की सफलता हेतु राम कनोरिया, अश्विन श्रीवास ने सहयोग दिया।